सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

# जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

**प्रेरणा**

जिंदगी को कभी तो खुला छोड़ दो जीने के लिए, क्योंकि बहुत संभल कर रखी चीज वक्त पर नहीं मिलती!

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 16 FEBRUARY TO 22 FEBRUARY 2024 • VOLUME 30 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

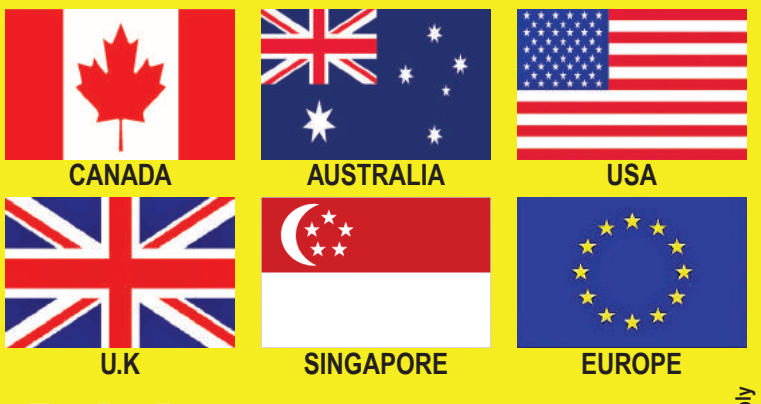


E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

## प्रधानमंत्री ने कतर के अमीर से की मुलाकात

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को दोहा के अमीरी पैलेस में कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री के आगमन पर अमीरी पैलेस में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की तथा सीमित वार्ताएं कीं। वार्ताओं के दौरान आर्थिक सहयोग, निवेश, ऊर्जा साझेदारी, अंतरिक्ष सहयोग, शहरी बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक संबंध और दोनों देशों के लोगों के बीच पारस्परिक संबंधों सहित कई विषयों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

प्रधानमंत्री ने कतर में 8 लाख से अधिक मजबूत भारतीय समुदाय का ध्यान रखने के लिए अमीर को धन्यवाद दिया तथा कतर के साथ द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने एवं मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उन्होंने अमीर को शीघ्र भारत आने का निमंत्रण दिया। अमीर ने प्रधानमंत्री की भावनाओं और खाड़ी क्षेत्र में एक मूल्यवान भागीदार के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। अमीर ने कतर के विकास में जीवंत भारतीय समुदाय के योगदान और कतर में आयोजित होने वाले विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी की भी सराहना की। बैठक के बाद प्रधानमंत्री के सम्मान में अमीरी पैलेस में दोपहर के भोज का आयोजन किया गया।

### पीएम 16 को रेवाड़ी (हरियाणा) दौरे पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 फरवरी, 2024 को रेवाड़ी, हरियाणा का दौरा करेंगे। दोपहर लगभग 1 बजकर 15 मिनट पर प्रधानमंत्री शहरी परिवहन, स्वास्थ्य, रेल और पर्यटन क्षेत्र से संबंधित 9750 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे।

## हेमंत सोरेन को 22 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

• **जालंधर ब्रीज.** रांची

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को एक विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में थे। पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि हेमंत सोरेन को आज विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया और उन्हें 22 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हम उनके लिए जमानत याचिका दायर करेंगे।

एजेंसी ने पूर्व में आरोप लगाया था कि जांच शुरू होने के बाद जमीन का उक्त टुकड़ा राजकुमार पाहन नाम के एक व्यक्ति को वापस कर दिया गया था। इसने कहा कि सोरेन सहयोग नहीं कर रहे हैं और अपने से जुड़ी संपत्तियों के बारे में जानकारी देने के लिए तैयार नहीं हैं।

## ओवरलोड गाड़ियों और अन्य राज्यों से ग़ैर-कानूनी ढंग से आने वाले ट्रकों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही के निर्देश

**परिवहन मंत्री द्वारा ट्रक ऑपरेटरों के साथ मीटिंग, ट्रक कारोबार को प्रफुल्लित करने का भरोसा**

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने ऐलान किया कि ओवरलोड गाड़ियों और अन्य राज्यों से ग़ैर-कानूनी ढंग से राज्य में दाख़िल होने वाले ट्रकों के विरुद्ध सख़्त कार्यवाही की जायेगी।

अपने दफ़्तर में ट्रक ऑपरेटरों के साथ बातचीत के दौरान उनकी माँगों को ध्यान से सुनते हुए परिवहन मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को हिदायत की कि वे उल्लंघन करने वाले ट्रकों को ज़ब्त करें। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार राज्य के ट्रक कारोबार को प्रफुल्लित करने और इस कारोबार से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मान सरकार राज्य में रोज़गार के साधन पैदा कर रही है, इसलिए किसी भी व्यक्ति का रोज़गार बंद नहीं होने दिया जायेगा। इसके इलावा उन्होंने विभाग के ज़िला दफ़्तरों में ट्रक कारोबार से सम्बन्धित कामों में और तेज़ी लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हर काम का समय तय हो ताकि लोगों की परेशानी ना हो। लालजीत सिंह भुल्लर ने भरोसा दिलाया कि ट्रक ऑपरेटरों की अन्य माँगों को भी हमदर्दी से विचारा जाएगा।

## चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार देने पर भाजपा ने कहा- पार्टी फैसले का सम्मान करती है

**नई दिल्ली.** सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुरुवार को केंद्र सरकार की गुमनाम राजनीतिक फंडिंग की चुनावी बांड योजना को "असंवैधानिक" करार दिए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एक ऐतिहासिक फैसले में शीर्ष अदालत ने खरीदारों के नाम, बांड के मूल्य और उनके प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करने का भी आदेश दिया। अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि चुनावी बांड का चुनावी फंडिंग में "पारदर्शिता लाने का प्रशंसनीय उद्देश्य" था। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती है।

प्रसाद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के सैकड़ों पन्नों के फैसले पर पार्टी द्वारा संरचित प्रतिक्रिया देने से पहले गहन परीक्षण की आवश्यकता है। चुनावी फंडिंग में सुधार के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रयासों पर जोर देते हुए, उन्होंने इन उपायों के हिस्से के रूप में चुनावी बांड की शुरूआत का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने चुनाव के लिए चंदे की व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए हैं और चुनावी बॉन्ड जारी करना इसी कदम का हिस्सा है। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि यह संविधान प्रदत्त सूचना के अधिकार और बोलने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करती है।

चुनावी बॉन्ड को मोदी सरकार की 'काला धन सफेद करने की' योजना बताए जाने के कांग्रेस के आरोप पर उन्होंने विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि जिन दलों का 'डीएनए' भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी पर आधारित है, उन्हें भाजपा के खिलाफ ऐसे आरोप नहीं लगाने चाहिए। चुनावी बॉन्ड द्वारा विपक्षी दलों को चुनाव में समान अवसर देने से वंचित करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कौन मैदान में है और कौन मैदान से बहार है, यह जनता तय करती है। उन्होंने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा कि लोगों ने कुछ पार्टियों को मैदान से बाहर कर दिया है और वे अब उन क्षेत्रों में एक भी सीट नहीं जीत सकते जो उनके गढ़ हुआ करते थे।

## रिश्वत मांगने वाला राजस्व पटवारी विजीलैंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान गुरदासपुर जिले के राजस्व हलका हरपुरा में तैनात राजस्व पटवारी केवल सिंह निवासी कंडियाला के खिलाफ रिश्वत लेने के आरोप में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है।

विजीलैंस ब्यूरो के आधिकारिक प्रवक्ता ने आज यहां यह खुलासा करते हुए कहा कि उक्त आरोपी के खिलाफ यह मामला मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर गांव हरपुरा जिला गुरदासपुर के निवासी जीवनजोत सिंह द्वारा दर्ज की गई ऑनलाइन शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उपरोक्त पटवारी उसकी जमीन के स्वामित्व के संबंध में राजस्व रिकॉर्ड में सुधार करने के लिए अवैध रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगते समय उक्त पटवारी द्वारा की गई मांग की रिकॉर्डिंग भी की है और सबूत के तौर पर विजीलैंस ब्यूरो को सौंपी है।

इस संबंध में विजीलैंस ब्यूरो रेंज अमृतसर ने शिकायत की जांच की और आरोपों को सही पाया। इस रिपोर्ट के आधार पर विजीलैंस ब्यूरो पुलिस स्टेशन अमृतसर रेंज में उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे की जांच जारी है।

## रेलवे ट्रैक पर किसान, चार ट्रेनें रद

**चंडीगढ़.** भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां की ओर से गुरुवार को मलोट में रेलवे ट्रैक जाम कर धरना दिया गया। यह धरना शंभू बॉर्डर पर हरियाणा सरकार की ओर से किसानों पर आंसू गैस छोड़ने व उन्हें दिल्ली जाने से रोकने के विरोध में लगाया गया। किसानों ने मलोट-डबवाली मार्ग पर गांव माहूआना व गांव वड़िंग में स्थित टोल प्लाजों पर भी धरना दिया।

धरना दोपहर 12 से शाम चार बजे तक चला। मलोट रेलवे ट्रैक पर धरने के कारण चार ट्रेनें रद कर दी गईं जिसके कारण रेलवे को भारी नुकसान हुआ। वहीं यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि किसानों के धरने की लोगों को एक दिन पहले ही सूचना मिलने से ज्यादातर लोग रेलवे स्टेशन पर नहीं पहुंचे। सुबह 11.40 बजे मलोट पहुंचने वाली अंबाला से श्रीगंगानगर जाने वाली 11736 नंबर ट्रेन, एक बजे श्री गंगानगर से अंबाला जाने वाली 11735 नंबर ट्रेन, बठिंडा से श्रीगंगानगर जाने वाली 04753 नंबर व श्रीगंगानगर से बठिंडा आने वाली 04356 नंबर ट्रेनें रद करनी पड़ीं। भारतीय किसान यूनियन के जिला नेता गुरपास सिंह सिंघेवाला ने बताया कि मलोट रेलवे ट्रैक पर धरने में फाजिल्का के किसानों का भी साथ मिला। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार केंद्र सरकार की शह पर किसानों के साथ आमानवीय व्यवहार कर रही है।

## नेफेड व जीपीसी के पल्सेस कन्वेंशन में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री मुंडा व गोयल

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) व ग्लोबल पल्स कन्फेडरेशन (जीपीसी) द्वारा आयोजित चार दिनी पल्सेस कन्वेंशन का औपचारिक शुभारंभ आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा एवं उपभोक्ता मामले, खाद्य- सार्वजनिक वितरण, वाणिज्य एवं उद्योग तथा वस्त्र मंत्री पीयूष गोयल ने किया। इस अवसर पर इथियोपिया के व्यापार व उद्योग तथा क्षेत्रीय एकता मंत्री कासाहु गोफे बलामी, उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह, जीपीसी के प्रेसीडेंट विजय अयंगर, नेफेड अध्यक्ष डॉ. बिजेंद्र सिंह, एमडी रितेश चौहान, अतिरिक्त सचिव (कृषि) शुभा ठाकुर सहित केंद्र-राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय सहकारी संघों के अध्यक्ष- एमडी, किसानों-व्यापारियों के राष्ट्रीय संघों के पदाधिकारी, मिलर्स, निर्यातक-आयातक व आपूर्ति श्रृंखला प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मुंडा ने कहा कि भारत, दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक व सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। खेती-किसानी की बेहतरी व किसानों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बहुत जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है। इस दृष्टिकोण के साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, 10 हजार एफपीओ जैसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।

किसानों के लिए ऋण, एमएसपी पर खरीदी जैसे उपायों से भी सहायता की जा रही है। सरकार दलहन क्षेत्र में सतत कार्य करते हुए आयात पर निर्भरता कम करने व आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने के संबंध में लगातार प्रयास कर रही हैं। 2014 से, यानी एक दशक में दलहनी फसलों के विकास में केंद्र के अथक प्रयासों से काफी प्रगति हुई है। भारत चने व कई अन्य दलहनी फ़सलों में आत्मनिर्भर बन चुका है, थोड़ी कमी तूर व उरद में बाकी है, जिसे 2027 तक पूरा करने की कवायद जारी है।

## सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत के प्रसारण उद्योग का दृढ़ संरक्षक है : केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रसारण और मीडिया प्रौद्योगिकी पर आयोजित 28वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र के दौरान दर्शकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत के प्रसारण उद्योग का एक दृढ़ संरक्षक रहा है, जिसने इसे परिवर्तन की बयारों के बीच समझदारी और दूरदर्शिता के साथ संचालित किया है। सार्वजनिक सेवा प्रसारण को बढ़ावा देने, समावेशी नीतियों को डिजाइन व लागू करने, मीडिया से जुड़ी जागरूकता पहल और प्रसारण एवं मीडिया उद्योग में निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत में एक जीवंत, समावेशी और सुदृढ़ प्रसारण एवं मीडिया इकोसिस्टम की नींव रखी है, जो विविधतापूर्ण, सूचनात्मक और जिम्मेदार है।

केन्द्रीय मंत्री ने हमारे देश की विविध जरूरतों को पूरा करने वाली गुणवत्तापूर्ण कंटेंट प्रदान करने हेतु सार्वजनिक सेवा प्रसारण को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि देश को अपनी सांस्कृतिक विरासत के समृद्ध कैनवस को पहचानते हुए अपना अनूठा मार्ग बनाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि प्रसार भारती ने हमारे देश की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, "दूरदर्शन की दानेदार काली-सफ़ेद स्क्रीन से लेकर इसके एचडी एवं अब 4के डिजिटल बदलाव तक, एनालॉग मीडियम वेव से लेकर डीआरएम और अब आकाशवाणी के एफएम तक, दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की विविधतापूर्ण प्रोग्रामिंग ने देश की कई पीढ़ियों को सूचित, शिक्षित और मनोरंजन करने का दायित्व निभाया है। एनालॉग युग से लेकर आज के बहुआयामी डिजिटल परिदृश्य तक, हमारे प्रसारकों ने दृढ़ता, नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपना रास्ता तय किया है।'

# कहां है कैंची धाम, कैसे पहुंचे नीम करोली बाबा के आश्रम

TRAVELLING

*नीम करोली बाबा आश्रम को कैंची धाम के नाम से जाना जाता है। इस जगह की अपनी धार्मिक मान्यताएं हैं, जहां हर शहर के भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। जानिए कहां है कैंची धाम और कैसे पहुंचे...*

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

कैंची धाम आश्रम काफी फेमस है। फेमस संत नीम करोली बाबा ने यहां एक आश्रम स्थापित किया था, जहां लोग आंतरिक शांति की तलाश में आते हैं। इस जगह के दर्शन करने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं। यहां विराट कोहली जैसे कई दिग्गज जा चुके हैं। अगर आप भी इस जगह के दर्शन के लिए जाना चाहते हैं तो यहां देखिए कैसे पहुंचे-

### कहां है कैंची धाम?

कैंची धाम उत्तराखंड के नैनीताल से 17 किमी दूर है। अक्सर लोग इस जगह के नाम को लेकर चौंक जाते हैं और नाम के पीछे की वजह तलाशते हैं। आपको बता दें कि ये जगह कैंची के आकार की बनी है, इसलिए इसे कैंची धाम के नाम से जाना जाता है। यहां आश्रम के अलावा बाबा नीम करोली का मंदिर भी बना है।

### कैसे पहुंचे कैंची धाम?

कैंची धाम के सबसे पास का हवाई अड्डा पंतनगर हवाई अड्डा है, ये कैंची धाम से लगभग 70 किमी दूर है। हवाई अड्डे से आश्रम तक पहुंचने के लिए टैक्सियां और लोकल बसें आसानी से मिल जाती हैं।

### रेल मार्ग द्वारा

कैंची धाम के सबसे पास रेलवे स्टेशन काठगोदाम है, जो यहां से लगभग 38 किमी दूर है। रेलवे स्टेशन से कैंची धाम जाने के लिए टैक्सी या बस ली जा सकती है।

### सड़क मार्ग से

कैंची धाम सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। नैनीताल या दूसरे नजदीकी शहरों से आप यहां तक के लिए गाड़ी चला कर जा सकते हैं। इसके अलावा बस सेवा भी आपको यहां के लिए मिल सकती है।

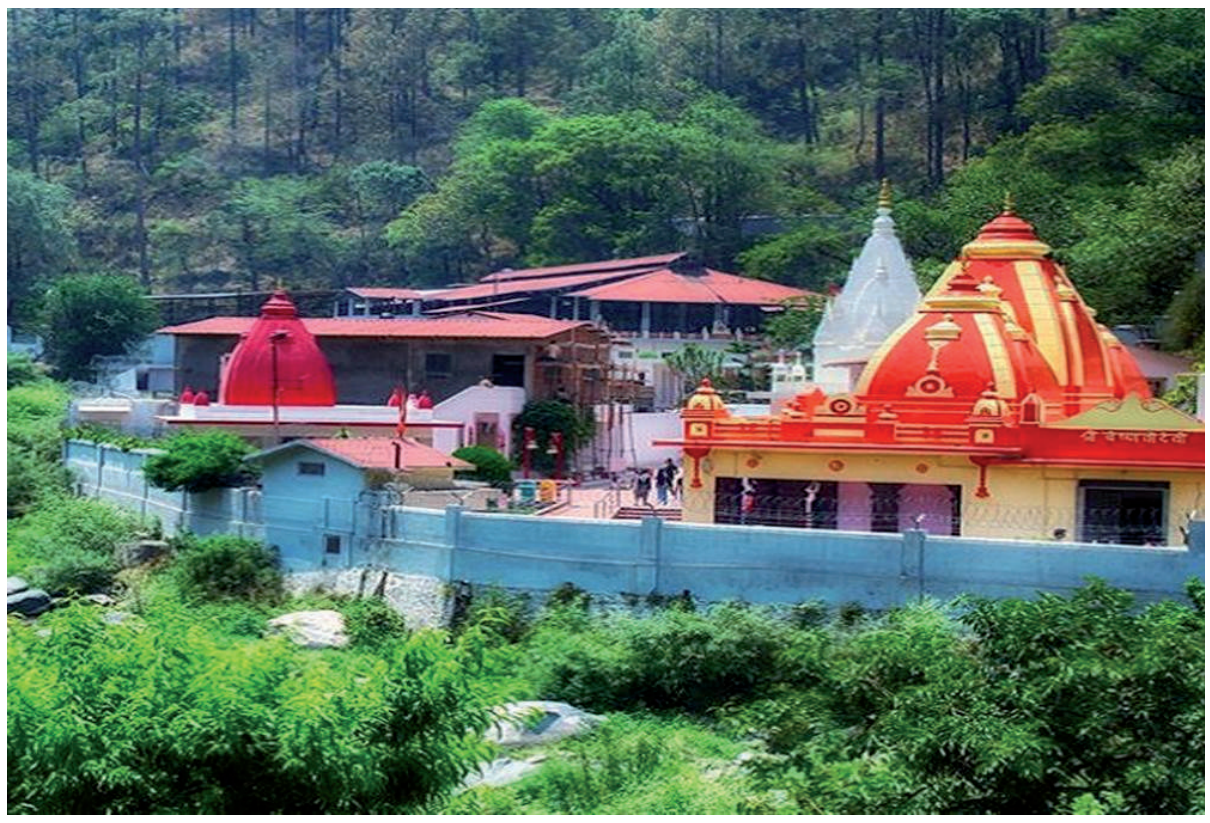

FASHION

## परफेक्ट है कृति के आउटफिट, कीमत जानकर रह जाएंगे दंग

कृति सेनन अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में लगी हुई हैं। इसी बीच अदाकार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाल रंग की ड्रेस पहने फोटोज शेयर की हैं।

फरवरी का महीना शुरू होते ही वैलेंटाइन डे के लिए कुछ स्पेशल प्लान बनने लगते हैं। इस दौरान कपल्स डेट पर जाते हैं। इस खास दिन के लिए अपने स्पेशल लुक को प्लान कर रही हैं तो कृति सेनन के रेड आउटफिट लुक को देख सकती हैं। एक्ट्रेस की आउटफिट वैलेंटाइन डे के लिए परफेक्ट है। हालांकि, इस ड्रेस की कीमत जानकर आप दंग हो सकते हैं। यहां जानिए एक्ट्रेस के लुक की डिटेल्स और ड्रेस की कीमत कैसी है।

**आउटफिट :** कृति के आउटफिट बेहद खूबसूरत है। इस ड्रेस में लाल चेक वाला प्रिंट है। वहीं ड्रेस में कॉलर नेकलाइन, फुल स्लीव्स, फ्रंट बटन क्लोजर, कमर पर बेल्ट, बटन वाले कफ हैं।

**एक्सेसरीज और हेयरस्टाइलिंग थी खास :** कृति ने अपने लुक को शाइनिंग काले जूते, सोने के स्टड इयररिंग्स, स्टैक्ड स्टेटमेंट अंगूठियों और आकर्षक काले हैंडबैग और काले रंग के धूप के चश्मे से लुक को पूरा किया। लुक को खूबसूरत बनाने के लिए उन्होंवे न्यूड आईशैडो, मस्कारा वाली पलकें, विंग्ड आईलाइनर, डार्क आइब्रो और हाइलाइटर संग न्यूड लिपस्टिक के शेड से लुक को पूरा किया। वहीं हेयर स्टाइल को उन्होंने साफ-सुथरे बन में स्टाइल किया।

**क्या है ड्रेस की कीमत :** अगर आपको कृति का लुक पसंद आया और आप सोच रहे हैं कि उनके जैसी आउटफिट खरीदने के बारे में तो बता दें कि एक्ट्रेस ने लक्ज़री फैशन ब्रांड बरबेरी के कलेक्शन में से इस ड्रेस को चुना है। इस ड्रेस की कीमत 95,589 रुपये है।

LIFE TIPS

## जीवन में चाहिए सफलता तो इन 5 तरह के दोस्तों से रहें दूर

जीवन में सफल होने का सपना हर व्यक्ति देखता है। लेकिन यह सपना हर कोई आसानी से पूरा नहीं कर पाता है। सफलता हासिल करने के लिए व्यक्ति को कठोर परिश्रम के साथ एक अच्छे मित्र की भी जरूरत पड़ती है। ऐसा मित्र जो कठिन समय में अपने मित्र का सही मार्गदर्शन कर सके। हालांकि जिन लोगों के पास सच्चे मित्र नहीं होते हैं उन्हें अपने सीक्रेट उनसे शेयर करने से बचना चाहिए। नीतिशास्त्र और कूटनीतिज्ञ चाणक्य ऐसे दोस्तों से दूर रहने की सलाह देते हैं। आइए जानते हैं 5 ऐसे दोस्तों के बारे में, जिनका पता लगते ही व्यक्ति को तुरंत उनसे दूरी बना लेनी चाहिए।

**सीक्रेट छिपाकर नहीं रखते**– चाणक्य नीति के अनुसार कभी भी अपने सीक्रेट ऐसे मित्र को ना बताएं जो उन्हें अपने पास नहीं रख सकता हो। ऐसे दोस्तों पर कभी भी आंख बंद करके भरोसा ना करें। ऐसे व्यक्ति अगर आपको दूसरों के राज बता रहे हैं तो कल आपके राज भी गुस्से या विवाद होने पर दूसरों के साथ शेयर कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति समय आने पर आपकी तरक्की में बाधा बन सकते हैं।

**अपने वादे पर कायम नहीं रहते**– ऐसे मित्रों से भी हमेशा दूर रहने की सलाह दी जाती है, जो कभी भी अपने वादे पर कायम नहीं रहते हों। ऐसे मित्र वादा करके जरूरत पड़ने पर आपको धोखा दे सकते हैं।

**आपकी अनुपस्थति में आपकी बुराई करते हैं** – ऐसे मित्र जो मजाक-मजाक में ही सही आपके पीठ पीछे आपकी लोगों से बुराई करते रहते हैं। ऐसे लोग आपकी छवि खराब कर सकते हैं। जिसका असर आपकी सफलता पर भी पड़ सकता है।

**आपके मुश्किल समय में साथ नहीं रहते** – ऐसे मित्र जो आपके साथ हर समय खड़े रहने का दम तो भरते हैं लेकिन जरूरत पड़ने पर कभी नजर आते हैं। चाणक्य ऐसे दोस्तों से भी दूर रहने की सलाह देते हैं। ऐसे दोस्तों को साथ रखने से आप कभी भी सच्चे व्यक्ति पर विश्वास करना नहीं सीख पाएंगे।

**अपने फायदे के लिए करते हैं इस्तेमाल** – कई बार आपकी ऐसे लोगों से भी दोस्ती हो सकती है, जो सिर्फ अपना मतलब निकालने और आपका इस्तेमाल करने के लिए आपसे दोस्ती करते हैं। ऐसे लोगं से दूर रहने में ही भलाई है। इस तरह के दोस्त सिर्फ आपका समय और धन नष्ट करके आपको आपके लक्ष्य से भटकाने का काम करते हैं। जिसकी वजह से सफलता रा रास्ता आपसे और दूर हो जाता है।

## किडनी पेशेंट के लिए कौन-सी दाल है बेस्ट, जानिए किससे करें परहेज

**किडनी पेशेंट को अपने खान-पान का खास ख्याल रखना चाहिए। यहां हम बता रहे हैं किडनी पेशेंट के लिए बेस्ट दाल कौन-सी है। इसी के साथ यहां जानिए किससे परहेज करें**

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

शरीर के सभी अंगों का सही तरह से काम करना बहुत जरूरी है। किड़नी शरीर के उन अंगों में से एक है जो टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद करती है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। वहीं, किडनी को स्वस्थ रखने के लिए डायट का ख्याल रखना चाहिए। जिन लोगों की किडनी डैमेज हो जाती है उन लोगों को खासकर खानपान पर ध्यान देना चाहिए। वैसे तो दाल सेहत के लिए फायदेमंद है लेकिन किडनी के मरीजों को कुछ दालों से परहेज करना चाहिए। यहां जानिए किडनी पेशेंट के लिए बेस्ट दाल।

### मूंग दाल

किडनी के मरीजों के लिए मूंग दाल प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसकी खिचड़ी खाना अच्छा माना जाता है। खिचड़ी में दाल के साथ चावल का इस्तेमाल किया जाता है। इसका मिक्स अमीनो एसिड की जरुरत को पूरा करता है, जिससे यह पूर्ण प्रोटीन स्रोत बन जाता है।

### अरहर दाल

अरहर दाल कोलेस्ट्रॉल फ्री होती है और इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर होता है। इसके अलावा, यह पाचन के लिए अच्छी है। वहीं ये पेट के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक हेल्दी ऑप्शन है।

### उड़द दाल

उड़द की दाल शरीर में यूरिक एसिड के प्रोडक्शन को बढ़ाती है, जिसे किडनी को निकालना होता है। यह दाल किडनी फेलियर से पीड़ित व्यक्ति की किडनी पर प्रेशर डाल सकता है। ऐसे में इसे कम मात्रा में खाना बेहतर है।

### मसूर की दाल

मसूर दाल में ज्यादा मात्रा में फोलेट, पोटेशियम, ट्रिप्टोफैन, कॉपर, आयरन होता है। इस दाल को खाने के बाद किडनी को वेस्ट प्रोडक्ट को बाहर निकालने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। किडनी की बीमारियों से पीड़ित लोगों को कम मात्रा में इस दाल को खाना बेहतर है।

### चना दाल

चना दाल को पचने में काफी समय लगता है। ऐसे में किडनी की बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को इसका कम से कम मात्रा में सेवन करना चाहिए। डायलिसिस वाले पेशेंट को इसे खाने से बचना चाहिए।

### दाल खाने के लिए किडनी पेशेंट अपनाएं ये तरीका?

किडनी पेशेंट दाल पकाने से पहले उसे पानी में जरूर भिगोएं। इससे दाल में पोटेशियम की मात्रा कम हो जाएगी, जिससे किडनी पर भार कम करने में मदद मिलेगी।

## तीन साल की उम्र के बाद क्यों जरुरी है आंखों की जांच, कैसे पहचानें बच्चे की नजरें हैं कमजोर

PARENTING

अध्ययन के मुताबिक देश में हर साल 30 हजार से ज्यादा बच्चे आंखों में धुंधली रोशनी की शिकायत करते हैं। ऐसे में जानिए क्यों जरूरी है तीन साल की उम्र के बाद आंखों की नियमित जांच...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

छोटी उम्र और मोटे-मोटे चश्मे...गैजेट्स के जिंदगी में बढ़ते दखल और खानपान के मामलों में बढ़ते नखरों की वजह से अब यह आम बात हो चुकी है। पर, आंखों से जुड़ी परेशानियां सिर्फ आंखों की कमजोर रोशनी तक सीमित नहीं है। इसका असर बच्चे के सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। आंखों की कमजोर रोशनी के कारण कई बच्चों के लिए कागज पर महीन छपाई और यहां तक कि ब्लैकबोर्ड पर पढ़ना भी मुश्किल हो जाता है। इससे विकास पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और बच्चे को ऐसा महसूस होता है कि वे पिछड़ रहे हैं।

### जरूरी है जल्द डॉक्टरी परामर्श

एक बच्चे के जीवन के पहले तीन वर्ष उसके समग्र विकास के लिए बहुत अहम होते हैं, जब उनके व्यक्तित्व के विकास की नींव तैयार होती है। अपने जीवन के पहले तीन वर्षों के दौरान बच्चा सबसे न्यूरल सर्किट ग्रहण करता है, जो कुछ नया सीखने और अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। कम उम्र में ही डॉक्टरी मदद से आंखों की रोशनी कमजोर होने के बावजूद बच्चे को यह सिखाया जा सकता है कि वह अपने हाथ और आंखों के बीच कैसे बेहतर सामंजस्य स्थापित करे। आंखों से जुड़े व्यायाम की मदद से आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है।

### जरूरी है आंखों की सालाना जांच

जैसे छुटपन में नियमित अंतराल पर बच्चे का टीकाकारण जरूरी है, ठीक वैसे ही सालाना बाल नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास ले जाकर उसके आंखों की जांच भी जरूरी है। डॉक्टर बच्चे की दृष्टि की जांच करके पता लगाएगा कि क्या उसकी दूर की या पास की नजर कमजोर है? क्या उसे चश्मे की जरूरत है? डॉक्टरी जांच से यह समझने में भी मदद मिलेगी कि क्या बच्चे को धुंधला नजर आता है या उसे पढ़ने में दिक्कत हो रही है? इन सभी परेशानियों को चश्मे की मदद से दूर किया जा सकता है। नियम यह है कि हर बच्चे की तीन साल की उम्र में आंखों की जांच करवानी चाहिए। दोनों आंखों में चश्मे के नंबर में अंतर या भेंगापन या मोतियाबिंद के कारण, अगर जल्दी इलाज न किया जाए तो नजर कमजोर हो सकती है।

## खाने का स्वाद और रंगत बढ़ाएगी एक चुटकी केसर, जानिए इस्तेमाल करने के तरीके

HEALTH TIPS

बस, चुटकी भर केसर खाने की रंगत के साथ उसके स्वाद को भी निखार देता है। हालांकि, लोग इसके इस्तेमाल के सही तरीके से वाकिफ नहीं है।ऐसे में केसर का इस्तेमाल करने का तरीका एक्सपर्ट ने बताया...

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

हमारे यहां बसंत पंचमी पर हमेशा केसरी चावल बनते थे, जिसका स्वाद मोहल्ले में अन्य घरों में पकने वाले मीठे चावलों से बिल्कुल अलग होता था। सुगंध और रंग सब अलग। धीरे-धीरे जब समझ बढ़ी तो पता चला कि केसर के इस्तेमाल के कारण हमारे घर के मीठे चावल को वह अनूठा स्वाद मिलता था। अब धीरे-धीरे लोग केसर के बारे में जानने लगे हैं। पर, अधिकांश लोग आज भी यही जानते हैं कि केसर का इस्तेमाल सिर्फ मीठी चीजों में ही होता है। पर, सच्चाई यह नहीं है। मैं तो विभिन्न तरीके से इसे अपनी डिशेज में शामिल करती हूं।

केसर ना सिर्फ सुगंधित बल्कि एक नाजुक मसाला भी है। इसका इस्तेमाल कुकिंग के साथ-साथ खूबसूरती निखारने के लिए भी होता है। सुगंध व स्वाद के चलते लोग इस मसाले को महंगा होने के बावजूद इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इतना ही नहीं, केसर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स आदि सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। केसर का इस्तेमाल मीठी और नमकीन डिशेज के अलावा बेकरी आइटम में और विभिन्न सामग्री को मैरिनेट करने में भी किया जाता है। केसर का सही तरीके से कैसे करें इस्तेमाल, आइए जानें:

**भिगोकर केसर का इस्तेमाल करें :** केसर को इस्तेमाल करने का सबसे आसान तरीका है इसे थोड़े से गुनगुने पानी में या दूध में लगभग आधा घंटा या इससे कम समय के लिए भिगो दें। फिर मिलाकर या यूं ही इस्तेमाल करें। भोजन पकाते समय यूं ही केसर डालने से गर्माहट के कारण केसर का स्वाद खत्म हो जाएगा।

**पाउडर के रूप में :** जब कोई पार्टी देने की तैयारी कर रही हों,तो तवे को हल्का गर्म कर लें। गैस ऑफ करें और उस पर केसर के धागे डाल दें ताकि वे थोड़े से कुरकुरे हो जाएं। ध्यान रखें कि तवा बहुत हल्का गर्म होना चाहिए। अब मिक्सी के सबसे छोटे जार में आधा छोटा चम्मच चीनी के साथ केसर को पीसकर पाउडर बना लें। यदि नमकीन डिश में केसर डालना हो तो चीनी की जगह नमक डालकर पाउडर बनाएं। इसका इस्तेमाल तुरंत करें या किसी एयर टाइट डिब्बी में रखें और एक या दो दिन बाद प्रयोग करें। इस्तेमाल के लिए दो बड़े चम्मच गुनगुने पानी में तैयार केसर पाउडर डालकर मिलाएं और इस्तेमाल करें। बिरयानी आदि के लिए यह तरीका अच्छा रहता है।

# युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए मोदी सरकार सदैव समर्पित है- अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर/ हिमाचल प्रदेश

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर आज जालंधर व हिमाचल प्रदेश के प्रवास पर थे। सर्वप्रथम जालंधर में बीएसएफ फ्रंटियर हेडक्वार्टर में आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद अनुराग ठाकुर ने बाकी का दिन हिमाचल प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर व्यतीत किया। सबसे पहले अनुराग ठाकुर जी ने बाबा बाल जी आश्रम कोटला कलां, ऊना में चल रही मद भागवत कथा में भाग लेकर संत बाबा बाल जी महाराज का आशीर्वाद लिया। तत्पश्चात ऊना विधानसभा स्थित नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 में गांव चलो अभियान में उपस्थित रहे। इसके बाद देर शाम अनुराग ठाकुर हरोली विधानसभा पहुंचे जहां गोंदपुर जयचंद में स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

रोजगार मेले के बाद पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, "हर युवा को सम्मान, हर हाथ काम। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए मोदी सरकार सदैव समर्पित रही है। एक वर्ष के अंदर 10 लाख से ज़्यादा सरकारी नौकरी के अपने वादे को पूरा करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की ओर आज देश के 47 स्थानों पर रोज़गार मेला के अन्तर्गत 1 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। रोज़गार मेला के अन्तर्गत आज पंजाब के जलंधर में मुझे 161 युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर उनके जीवन के इस महत्वपूर्ण क्षण का सहभागी बनने का सुअवसर मिला। रोजगार मेला के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी युवाओं को सशक्त बना रहे हैं। उनकी दूरदर्शी नेतृत्व के परिणाम स्वरूप आज 1 लाख से अधिक कुशल युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलने से युवा आकांक्षाओं को बल मिलेगा। युवाओं को सशक्त बनाना व देश को प्रगति की ओर ले जाना यही मोदी की गारंटी है। भारत की प्रगति को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना युवा शक्ति की जिम्मेदारी है । मुझे पूर्ण विश्वास है की भारत की युवा शक्ति भारत को 2047 से पहले विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देगी, नई ऊंचाइयों पर ले जाकर दिखाएगी"

उन्होंने यह भी दोहराया कि "रोजगार मेला" युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और समाज के कल्याण और प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नए भर्ती हुए युवाओं में उत्साह देखा गया, जो फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ पंजाब परिसर में एकत्र हुए और सेल्फी लेते और मीडिया के प्रतिनिधियों को साक्षात्कार देते देखे गए। उन्होंने रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया और रोजगार प्रदान करने में भारत सरकार की पहल की सराहना की।

इसके पश्चात अनुराग ठाकुर ने नौसेना के पूर्व अधिकारियों के कतर से सकुशल वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "नए भारत में हर भारतीय की जान बेशक़ीमती है। कतर से भारत लौटे देश के वीर जवानों का हार्दिक अभिनंदन। मोदी है तो, मुमकिन है।" अनुराग ठाकुर ने कहा, "आज से 45 दिन पहले इन नौसेना के पूर्व अधिकारीयों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला गया था। और आज इन सभी की सकुशल घर वापसी हुई है। इससे पहले भी ऑपरेशन गंगा चलाकर यूक्रेन से लगभग 27000 भारतीय छात्र-छात्राओं को सकुशल वापस भारत लाया गया था। आज दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध हो या संकट आया हो, भारत के लोगों को सकुशल वापस निकाला जाता है। नेपाल में भूकंप हो या अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो हमने सभी भारतीयों को वहां से निकाला है। अफगानिस्तान से हजारों सिख परिवारों को मोदी सरकार ने सकुशल भारत लाया। गुरु ग्रंथ साहब को आदर पूर्वक वापस लाने हेतु विशेष विमान का प्रयोग किया गया। इससे पता चलता है कि पिछले 10 वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत का कितना मान सम्मान बढ़ा है। आज हमारी साख पहले से कहीं अधिक है।"

## उर्वरक आत्मनिर्भरता की राह

किसी ने क्या खूब कहा था कि प्रकाशन और पॉलिटिक्स जिस दिन एक पटल/मंच पर साथ आकर काम करना आरंभ कर देंगे! बस उसी दिन से देश की अर्थव्यवस्था का विकास होना शुरू हो जाएगा। और यह कितना सुखकर है कि डॉक्टर मनसुख मांडविया जिस विभाग के मंत्री हैं और जिस ज्वलंत समस्या से देश आज से एक दशक पहले जूझ रहा था उसी को केंद्र में रखकर अपने अनुभव से जब कोई पुस्तक सामने आती है तो वह निश्चित रूप से व्यावहारिक समाधान लिए हुए जनोन्मुखी तो होगी ही! ऐसा ही हुआ भी है।उर्वरक की उपलब्धता और गुणवत्ता के साथ साथ गैर रासायनिक उर्वरक तथा सस्ते सुलभ होना एक दिवा स्वप्न सा लगता था।भारतीय कृषि पर वैश्विक परिदृश्य में प्रश्नचिन्ह लगने लगे थे।मोदी एक और दो कार्यकाल में इसी पर विचारमंथन और कार्य हुआ। इसी को उकेरती है,केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की नई पुस्तक 'उर्वरकआत्मनिर्भरता की राह' यह बताती है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वैकल्पिक उर्वरक अपनाने के रास्ते पर देश कैसे आगे बढ़ रहा है।

1960 के दशक में भारत में जो हरित क्रांति आई,उससे एक तरफ तो देश की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित हुई लेकिन दूसरी तरफ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग बड़े पैमाने पर बढ़ा। हरित क्रांति ने जहां देश को चावल और गेहूं समेत अन्य खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर और सरप्लस बनाने का काम किया तो वहीं दूसरी तरफ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के इस्तेमाल ने हमारी कृषि के लिए दूसरी तरह की संकटों को पैदा किया। मिट्टी की सेहत खराब होने लगी। इससे जो अनाज पैदा हुआ, सेहत पर उसके असर को लेकर भी तरह–तरह की बातें होने लगीं।देश के कृषि उत्पादों और उसकी गुणवत्ता को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगा था।आयात और निर्यात का संतुलन डगमगा गया था और हमारी व्यापारिक छवि भी धूमिल होने के कगार पर आ गई थी।इन्हीं वजहों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 अगस्त, 2019 को लाल किले की प्राचीर से देश के किसानों से यह आह्वान किया था कि हमें अगर धरती माता की सेहत को बचाना है तो रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल कम करके वैकल्पिक उर्वरकों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना होगा। तब से अब तक इस दिशा में काफी काम हुए हैं। उसी की प्रामाणिक नज़ीर आप केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की नई पुस्तक 'उर्वरक' आत्मनिर्भरता की राह' पढ़ सकते हैं. इस पुस्तक में डॉ. मांडविया ने यह बताया है कि कैसे भारत सरकार ने मोलासेस से बनने वाले उर्वरक को सब्सिडी के दायरे में लाया और किसानों के बीच इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए क्या–क्या किया जा रहा है. साथ ही इस पुस्तक में इस आयाम यथाभारत में पारंपरिक तौर पर इस्तेमाल होने वाले गोबर के खाद को बढ़ावा देने के लिए सरकार अपने स्तर पर क्या–क्या कर रही है।

केंद्र सरकार द्वारा लाई गई गोबर धन योजना इसमें कैसे सहायक होगी और इसके तहत किसानों को क्या–क्या मदद देने का प्रावधान है, इस बारे में डॉ. मांडविया इस पुस्तक में विस्तार से बताते हैं।

डॉ. मांडविया आंकड़ों से भी परिपुष्ट कर लिखते हैं, "2022 के भारत सरकार के आंकड़े बताते हैं कि भारत में पालतू पशुओं की संख्या 53.5 करोड़ थी। इससे पता चलता है कि हमारे यहां कृषि कार्यों में गोबर के इस्तेमाल की कितनी व्यापक संभावनाएं हैं। किसानों को लिए गोबर कैसे एक धन बने और उनकी आमदनी बढ़ाने का साधन बने और साथ ही साथ पर्यावरण के अनुकूल खेती हो, इन्हीं उद्देश्यों से मोदी सरकार ने गोबर धन योजना की शुरुआत की। इसके तहत मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस यानी बाजार विकास सहयोग की व्यवस्था की गई है।" डॉ. मांडविया की ने अपनी पुस्तक में कुल 20 अध्याय में सागर को गागर में बेहद संजीदगी से समेटा है, इन अलग–अलग अध्यायों में वैकल्पिक उर्वरकों के क्षेत्र में चल रहे कार्यों के अलावा उर्वरक आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ते भारत की कहानी को विस्तार से बताया गया है। नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने हमारे देश ही नहीं वरन समूचे विश्व को प्रभावित किया है।बस इसी का संज्ञान लेते हुए, डॉक्टर मांडविया इस को भारत में प्रवृत्त करा कर, नैनो उर्वरकों को बनाना और संबंधित कार्यों की दिशा में क्या–क्या काम किए गए हैं और कैसे इस मामले में भारत पूरी दुनिया का पहला देश बना है! इसकी जानकारी भी डॉ. मांडविया ने अपनी पुस्तक में दी है।

इस पुस्तक के साथ जो नौ परिशिष्ट जोड़े गए हैं, वे भी अपने आप में बेहद उपयोगी हैं। उनसे ड्रोन जैसे अत्याधुनिक उपकरण का भारत की कृषि में व्यापक इस्तेमाल की संभावनाओं की जानकारी मिलती है। साथ ही यह भी पता चलता है कि भारत का कृषि किस तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है।

पुस्तक विश्व की संभवतः सबसे बड़ी संस्था इफको और उसके द्वारा नवाचार से प्रयुक्त नैनो उर्वरक पर भी बहुत अच्छे से प्रकाश डालती है।इफको का सहकारी आंदोलन और भारतीय कृषि में सतत और वैज्ञानिक सोच से ओत प्रोत इतिहास और वर्तमान रहा है। यह पुस्तक निश्चित रूप से किसानों में इफको के नेटवर्क से अपने लिए और गहन स्थान बना कर नैनो उर्वरक क्रांति को मूर्तिमान और प्राण प्रतिष्ठित करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के खेती–किसानी संबंधित विचार भी पुस्तक में प्रस्तुत किए गए हैं। इससे पता चलता है कि देश के किसानों को समृद्ध करने को लेकर मोदी जी कितने प्रतिबद्ध हैं। अतः यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि डॉ. मनसुख मांडविया ने बिल्कुल सरल भाषा में उर्वरक जैसे जटिल विषय को जिस तरह से पाठकों के बीच रखा है, उसका अध्ययन करके न सिर्फ कृषि विशेषज्ञ और इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले लोग बल्कि आम लोग भी खुद को ज्ञान के स्तर पर समृद्ध कर सकते हैं। यूं भी नैनो उर्वरक न केवल किसने के खेती बजट में कम लागत के घटक साबित हो रहे हैं तथा साथ ही साथ इन नैनों उर्वरकों के योगदान से हमारा पर्यावरण भूजल कृषि मृदा भी स्वच्छ और स्वास्थ्यवर्धक रहेगी। समूची पुस्तक पढ़ने के बाद,पाठक और विशेष रूप से युवा को यह समझ आ जायेगा कि जब संवाद शीलता संवेदनशीलता जनोन्मुखी होती है और उसमें प्रबुद्ध राजनैतिक इच्छाशक्ति का समावेश हो जाता है तो सहजता सरलता और रोचकता स्वतः ही आ जाती है तभी तो आम किसान और विशेष रूप से कृषि और वानिकी के विद्यार्थी, शिक्षक,विशेषज्ञ उसे चाव से पढ़ना चाहेंगे। और इस कसौटी पर यह पुस्तक के बेमिसाल नज़ीर साबित हुई है।

### पुस्तक समीक्षा

पुस्तक का नाम : उर्वरक आत्मनिर्भरता की राह
लेखक : डॉ. मनसुख मांडविया
प्रकाशक : रूपा, पृष्ठ : 288, मूल्यः 695 रुपये

समीक्षक

सूर्य कांत शर्मा

सूर्यकांत शर्मा पिछले 35 36 वर्षों से समाज के उपयोगी विषयों पर लिखते रहे हैं। आपने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भी साढे तीन वर्ष कार्य किया तथा बाद में कृषि पत्रकारिता के माध्यम से आकाशवाणी दूरदर्शन-कृषि दर्शन,किसान चैनल तथा प्रकाशन विभाग सरीखे संस्थाओं से जुड़े रहे हैं।

suryakant.sharma1902@gmail.com

## शेखावत ने पंजाब में हरिके बैराज फिरोजपुर फीडर रिहैबिलिटेशन संबंधी बैठक की अध्यक्षता की

*पंजाब और राजस्थान के अधिकारियों को डीओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर की सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदन के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय जल आयोग को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया*

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पंजाब में हरिके बैराज से निकलने वाले फिरोजपुर फीडर के पुनर्वास पर आज नई दिल्ली में एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान फिरोजपुर फीडर के माध्यम से राजस्थान में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति से संबंधित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सांसद निहाल चंद, विधायक जयवीर सिंह बराड़, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अध्यक्ष, कुशविंदर वोहरा, सीडब्ल्यूसी, राजस्थान के जल संसाधन विभाग और पंजाब के सिंचाई विभाग के अधिकारी, राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ क्षेत्र के किसानों के साथ उपस्थित थे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा फिरोजपुर फीडर (51 किमी लंबी) की रिहैबिलिटेशन और रीलाइनिंग के लिए केंद्रीय जल आयोग को सौंपी गई प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई है। यह नहर बीकानेर नहर को पानी की आपूर्ति करती है जिससे राजस्थान के गंगानगर और हनुमानगढ़ ज़िलों को लाभ होता है। बैठक में पंजाब और राजस्थान के अधिकारियों को जल्द से जल्द डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट केंद्रीय जल आयोग को सौंपने के निर्देश दिए गए। माननीय मंत्री ने सीडब्ल्यूसी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द प्रस्तुत किए गए डीपीआर की जांच करें और बाद में डीओडब्ल्यूआर, आरडी और जीआर की सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदन करें। उपरोक्त के अलावा, पानी और सिंचाई से संबंधित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

## क़तर की जेल में बंद पूर्व नौसेना कर्मियों की स्वदेश वापसी, भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत है

**जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़).** भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मियों की क़तर जेल से रिहाई के बाद स्वदेश वापसी हो चुकी है। ये भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। इससे पहले मोदी सरकार के कूटनीतिक प्रयासों से पूर्व नौसैनिकों की मृत्यु दंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था और अब वे रिहा होकर सुरक्षित भारत लौट आए हैं। कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश को अगस्त 2022 में गिरफ्तार किया गया था और तभी से वे कतर की जेल में थे। 26 अक्टूबर 2023 को कतर की अदालत ने सभी आठ भारतीयों को मृत्यु दंड की सजा सुनाई। गौरतलब है कि सीओपी28 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से मुलाकात करते हुए इस मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद दिसंबर में मृत्यु दंड की सज़ा को कम कर दिया गया था। नौसेना के इन वरिष्ठ कर्मियों ने स्वदेश वापसी के लिए अपनी रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सरकार को धन्यवाद दिया है। इनमें से एक ने कहा, "हम बहुत खुश हैं कि हम सुरक्षित रूप से भारत वापस आ गए हैं। निश्चित रूप से, हम प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देना चाहेंगे क्योंकि यह केवल उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप के कारण ही संभव हो सका है।" यह पहला मौका नहीं है जब संकट के समय में भारत अपने नागरिकों को विदेशी धरती से सुरक्षित स्वदेश वापस लेकर आया है।

## द्वितीय चंडीगढ़ बटालियन एनसीसी के एनसीसी कैडेटों ने राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

2 चंडीगढ़ बटालियन एनसीसी के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेटों ने राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। समाज में महिलाओं के अमूल्य योगदान को याद करने वाले इस महत्वपूर्ण अवसर पर कैडेटों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उन अग्रणी महिलाओं को श्रद्धांजलि के साथ हुई जिन्होंने राष्ट्र को आकार देने और समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कैडेटों ने उन प्रतिष्ठित हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनके अथक प्रयासों ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त किया है।

दिलचस्प प्रस्तुतियों और चर्चाओं की एक श्रृंखला में, कैडेटों ने लैंगिक समानता के महत्व पर विचार-विमर्श किया, सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समावेशिता और समान अवसरों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। व्यावहारिक संवादों के माध्यम से, उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अपरिहार्य भूमिका पर जोर दिया और अधिक न्यायसंगत और समावेशी समाज को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई। सके अलावा, उत्सव में अतिथि वक्ता, संगीता जोशी, भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस), उप निदेशक, केंद्रीय संचार ब्यूरो के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वित्तीय समावेशन, उद्यमिता और सामाजिक कल्याण पर केंद्रित सरकारी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। . इसका उद्देश्य महिलाओं के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करना और उनके समग्र विकास और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

## आईआईएसईआर, मोहाली में रोज़गार मेले की 12वीं किश्त के तहत 1 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित

**जालंधर ब्रीज (मोहाली).** वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोज़गार मेला आज भारतीय विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), मोहाली में आयोजित किया गया। माननीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री, भारत सरकार, अजय भट्ट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। रोज़गार मेला कार्यक्रमों की 12वीं किश्त आज देश भर में 47 स्थानों पर आयोजित की गई, जिसे प्रधान मंत्री द्वारा वस्तुतः लॉन्च किया गया, उन्होंने युवाओं को संबोधित किया और लाईव प्रसारण के माध्यम से सभी नव नियुक्त व्यक्तियों को बधाई दी।

इस अवसर पर योगेश बहादुर खुरानिया, आईपीएस, विशेष महानिदेशक बीएसएफ पश्चिमी कमान ने भी सभा को पश्चिमी कमान के तहत सीमा की संवेदनशीलता और सिविल अधिकारियों को सहायता में बीएसएफ की भूमिका से अवगत कराया।

अजय भट्ट, माननीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री, भारत सरकार ने दिल्ली पुलिस, ईपीएफओ, भारतीय रेलवे, भारतीय डाक सेवाएं, सीआरपीएफ, एसएसबी आदि में विभिन्न पदों के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से नियुक्ति पत्र जारी करने के अलावा चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से चयनित सभी 306 उम्मीदवारों

को नियुक्ति पत्र की भौतिक प्रतियां सौंपीं।

सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने युवाओं को सरकारी क्षेत्र में दस लाख नौकरियां प्रदान करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि नई भर्तियां भारत को एक उज्जवल और आशाजनक भविष्य की ओर आगे बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अजय भट्ट ने दर्शकों को यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड आदि जैसी भर्ती एजेंसियों के माध्यम से स्वीकृत पदों के विरुद्ध मौजूदा रिक्तियों को मिशन मोड में भरकर केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा शुरू किए गए भर्ती अभियान के बारे में भी बताया। नई भर्तियां केंद्र सरकार के 38 मंत्रालयों और विभिन्न विभागों में विभिन्न स्तरों पर शामिल होंगी। उन्होंने यह भी दोहराया कि "रोजगार मेला" युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और समाज का कल्याण सुनिश्चित करने की प्रधानमंत्री की निरंतर प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में नव शामिल भर्तियों को एक लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त रंगरूटों और उनके परिवारों को हार्दिक बधाई दी। इसके अलावा, उन्होंने रोजगार मेलों के नियमित आयोजन पर जोर देकर रोजगार सृजन के प्रति सरकार के समर्पण पर प्रकाश डाला, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भविष्य में अधिक परिवारों को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति मिले। प्रधान मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आवर्ती रोजगार मेले वर्तमान सरकार की एक विशिष्ट विशेषता बन गए हैं, जो 10 लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने और युवाओं को देश के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने के अपने संकल्प को साकार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

# अवैध पिस्तौल व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

## सीपी ने शहर को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा के नेतृत्व में जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध पिस्तौल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि बस्ती पुली नहर पर चेकिंग के दौरान पुलिस को एक युवक की हरकत पर शक हुआ। उन्होंने बताया कि उक्त युवक की चेकिंग के दौरान उसके कब्जे से 32 बोर की एक अवैध पिस्तौल व चार कारतूस बरामद हुए। स्वपन शर्मा ने बताया कि युवक की

पहचान प्रदीप कुमार शर्मा पुत्र परशोतम चंद शर्मा निवासी मोहल्ला रतन नगर जालंधर के रूप में हुई है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना बस्ती बावा खेल जालंधर में एफआईआर नंबर 32 दिनांक 13-02-2024 धारा 25-54-59 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई कि प्रदीप ने निजी दुश्मनी के कारण अवैध तरीके से यह पिस्तौल हासिल की थी। स्वपन शर्मा ने कहा कि आरोपी का अभी तक कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है लेकिन मामले की आगे की जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त ने दोहराया कि वे शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही हैं और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नरेट जालंधर को एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वपन शर्मा ने इस नेक काम के लिए आम जनता से पूर्ण समर्थन और सहयोग मांगा क्योंकि लोगों की सक्रिय भूमिका के बिना ऐसे लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सकते।

# सांसद संत सींचेवाल ने सिंबली नहर में खोदी जा रही ड्रेन का लिया जायजा

## कहा- प्रोजैक्ट पूरा होने से 200 क्यूसिक पानी की होगी निकासी

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

राज्य सभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेंवाल ने आज गढ़शंकर के गांव सिंबली की नहर में बने रेगुलेटर व 200 क्यूसिक पानी सफेद वेईं में छोडऩे के लिए खोदी गई ड्रेन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आने वाली नस्लों के लिए पानी बचाने के लिए भूजल संरक्षण के साथ-साथ राज्य की वनस्पती और जंगली जीव को बचाने के लिए बड़े स्तर पर मुहिम शुरु की है। उन्होंने कहा कि ड्रेन का जायजा लेते हुए बताया कि गांव सिंबली से शुरु होकर यह नहर चूहड़पुर, शहीद भगत सिंह नगर, कुलाम, लंगोड़आं से होते हुए सफेद वेईं में मिलेगी। उन्होंने कहा कि नहर से इस पानी को छोडऩे से भूजल स्तर में सुधार होगा।

संत बलबीर सिंह सींचेवाल ने चल रहे कार्य पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि पिछले वर्ष

बाढ़ के दौरान यह सारा इलाका पानी में घिर गया था क्योंकि पानी की निकासी मात्र 70 से 100 क्यूसिक थी। फलस्वरुप पानी बैक मार गया और किसानों की सारी फसलें पानी में डूब कर खराब हो गई थी। उन्होंने बताया कि ड्रेनेज विभाग की ओर से शुरु किए गए इस प्रोजैक्ट से 200 क्यूसिक पानी की निकास हो सकेगी और आने वाले समय में यह प्रोजैक्ट पूरा होने से इसका लाभ मिलेगा।

# अमित भाटिया के नेतृत्व में युवाओं ने थामा भाजपा का दामन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर शहरी के उपाध्यक्ष अश्विनी भंडारी के नेतृत्व में वेस्ट विधानसभा क्षेत्र में पढ़ते मंडल नंबर 10 के अध्यक्ष मनीष बल की अध्यक्षता में मंडल प्रभारी अमित भाटिया के नेतृत्व में वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के युवाओं ने भाजपा का दामन थामा जिसमें अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष नौशाद आलम का उनको भारतीय जनता पार्टी में शामिल करवाने का मुख्य सहयोग रहा आज भाजपा में शामिल हुए शिवम, नियाज अहमद, लव कुमार ,सैंडी, करण, निक्कू, अमर, पंकज, पुनीत ,राहुल, लकी, मनीष आनंद ,मोहित, विकास कुमार, शुभम, मनप्रीत, व राम नारायण ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होते हुए भाजपा का दामन थामा इस मौके पर मंडल अध्यक्ष मनीष बल व मंडल प्रभारी अमित भाटिया ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वह सभी अपने-अपने इलाकों में भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी व जनहितैषी नीतियों को घर-घर लेकर जाएं वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो लोगों के लिए चलाई जा रही नीतियों को लोगों तक पहुंचाएं और भाजपा जिला उपाध्यक्ष अश्विनी भंडारी ने भारतीय जनता पार्टी के परिवार में शामिल हुए युवाओं का स्वागत करते हुए उन्हें सिरोपा डालकर भाजपा परिवार में शामिल करवाया इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष नौशाद आलम, मंडल महामंत्री सुनील चोपड़ा, उपस्थित थे।

# अन्नदाता पर पुलिस कार्यवाही ने भाजपा सरकार का लोकतंत्र विरोधी किरदार नंगा किया : जौड़ामाजरा

## जल संसाधन मंत्री द्वारा किसानों के विरुद्ध दमनकारी कार्यवाहियों की सख़्त निंदा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

खनौरी और शंभू सरहद पर हरियाणा पुलिस द्वारा किसानों पर किए गए अत्याचार का सख़्त नोटिस लेते हुए पंजाब के जल संसाधन और भूमि व जल संरक्षण मंत्री स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने आज कहा कि इस कारनामे से भाजपा सरकारों की लोकतंत्र विरोधी और तानाशाही मानसिकता का घिनौना चेहरा सामने आ गया है, जो किसानों की आवाज़ को दबाने के लिए इस हद तक गिर गई है।

कैबिनेट मंत्री ने किसानों के साथ किए वायदों को पूरा करने में नाकाम रहने के लिए मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सख़्त निंदा की। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसान भाईचारे की जायज माँगों को नजरअन्दाज करके, उल्टा बड़े उद्योगपतियों को करोड़ों रुपए की बड़ी राहतें और छूट देने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि किसान देश की रीढ़ की हड्डी हैं और केंद्र सरकार से सम्मानजनक रवैये के हकदार हैं। उन्होंने हालात बिगडऩे पर निराशा ज़ाहिर करते हुए कहा कि यह गलत कार्यवाहियाँ मोदी सरकार के किसानों का सामना करने से डर को जग-ज़ाहिर करती हैं।

मीडिया को जख़्मी किसानों की तस्वीरें

जारी करते हुए कैबिनेट मंत्री ने किसानों के विरुद्ध आँसू गैस और पैलेट गन्स का प्रयोग, सडक़ों पर बैरीकेड लगाने और राष्ट्रीय राजधानी की किलेबंदी करने की सख़्त आलोचना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों के साथ किए गए अपने वायदों को पूरा न करना और इस कद्र तनावपूर्ण स्थिति पैदा करना अफसोसजनक है।

किसानों के लिए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान की सरकार के समर्थन को दोहराते हुए स. चेतन सिंह जौड़ामाजरा ने कहा कि मोदी सरकार अपने वायदे पूरे करने में असफल होने पर किसानों पर जुल्म कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह के दिशा-निर्देशों पर वह ख़ुद और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह जख़्मी किसानों का हाल-चाल जानने के लिए अस्पताल का दौरा कर रहे हैं।

भाजपा के नेतृत्व वाली हरियाणा सरकार पर बरसते हुए कैबिनेट मंत्री ने किसानों को उनके शांतमयी मार्च से रोकने के लिए पुलिस का प्रयोग करने की निंदा की। उन्होंने इसको निरादर भरा और ग़ैर-लोकतांत्रिक कार्यवाही करार देते हुए केंद्र सरकार को किसानों के मुद्दों का तुरंत हल करने और किए गए वायदों के मुताबिक सुधारों को लागू करने और देश की खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण क्षेत्रों की खुशहाली के लिए किसानों की भलाई को प्राथमिकता देने की अपील की।

# अग्निवीर की भर्ती के लिए लिखित एवं शारीरिक प्रशिक्षण सी-पाईट कैंप थेह कांजला में शुरू

## जिला जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर, तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर के इच्छुक युवा प्रशिक्षण का उठा सकते है लाभ

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार सेना में अग्निवीर फाइटर के तौर पर भर्ती होने के इच्छुक युवाओं को लिखित और शारीरिक परीक्षा की तैयारी के लिए सी-पाईट कैंप कपूरथला में प्रशिक्षण दे रही है। इस संबंधी जानकारी देते हुए आनरेरी कैप्टन अजीत सिंह ने बताया कि जिला जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर के इच्छुक उम्मीदवार 21 मार्च 2024 से आनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अग्निवीर भर्ती के लिए लिखित पेपर की कक्षाएं ले सकते है।

उन्होंने आगे बताया कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा प्रशिक्षण के लिए आवश्यक दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, दसवीं या बारहवीं कक्षा सर्टीफिकेट, जाति सर्टीफिकेट और दो पासपोर्ट साईज फोटो और आनलाइन रजिस्ट्रेशन की फोटोकापी की फोटो स्टेट कापियों के साथ कैंप में रिपोर्ट कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान मुफ्त रिहायश और भोजन उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए युवा मोबाइल नंबर 83601-63527 और मोबाइल नंबर 69002-00733 पर संपर्क कर सकते है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे पंजाब सरकार द्वारा सी-पाईट कैंप थेह कांजला में आयोजित मुफ्त प्रशिक्षण कक्षाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

# पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन द्वारा सरकारी स्कूलों व आंगनवाड़ी सेंटरों में मिड डे मील की अचानक चैकिंग

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन के मैंबर विजय दत्त ने कपूरथला के ब्लॉक नडाला तथा ब्लॉक ढिलवां के सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का अचानक निरीक्षण कर मिड डे मील और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। फ़ूड कमीशन के मैंबर ने ब्लॉक नडाला के सरकारी एलिमेंट्री स्मार्ट स्कूल सुभानपुर, सरकारी एलीमेंट्री स्मार्ट स्कूल पहाड़ीपुर, सरकारी एलीमेंट्री स्मार्ट स्कूल बादशाहपुर, सरकारी हाई स्कूल थंम बादशाहपुर तथा ब्लॉक ढिलवां के आंगनवाड़ी नंबर 401, 422, 423 तथा 424 में चेकिंग की।

कमीशन के मैंबर श्री विजय दत्त ने बताया कि चैकिंग के दौरान कई स्कूलों में मिड डे मील फ़ूड टेस्ट रजिस्टर मेन्टेन नही रखा गया था जो चिंता का विषय है क्योंकि हाल ही में कुछ स्कूलों से खाने को लेकर स्कूलों के बच्चों की

तबियत बिगड़ने की रिपोर्ट सामने आई हैं, इसलिए कोई भी कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि बच्चों को स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाए और भोजन बनाते और परोसते समय साफ सफाई का ध्यान रखा जाए। कमीशन मैंबर ने स्कूल के छात्रों से मिड डे मील से संबंधित बात की और खुद खाना टेस्ट भी किया। कमीशन मैंबर द्वारा स्कूलों में पीने वाले पानी का टी.डी.एस. भी चेक किया गया। सदस्य द्वारा निर्देश दिए गए कि जिस स्कूल में आरओ मशीन नही है वहां पीने वाले पानी का टी.डीए.स और पानी की गुणवत्ता को समय समय पर चेक करवाया जाए।

कमीशन के मैंबर ने इस बात पर जोर देते की पंजाब स्टेट फ़ूड कमीशन का हेल्प लाइन नंबर कुछ स्कूलों, आंगनवाड़ी सेंट्रो में उपलब्ध नही है। जिसको लोगों की जानकारी के लिए उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि अगर किसी लाभपत्री को नेशनल फ़ूड सिक्योरिटी एक्ट की स्कीमों को लेकर कोई शिकायत हो तो वह कमीशन के हेल्प लाइन नंबर 9876764545 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

# बाजवा ने मान पर लगाया किसानों के खिलाफ हरियाणा सरकार के साथ सांठगांठ करने का आरोप

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर किसानों के खिलाफ भाजपा नीत हरियाणा सरकार के साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों से हरियाणा सरकार ने क्रूर रुख अपनाया है। हरियाणा पुलिस पंजाब के अधिकार क्षेत्र में डेरा डाले किसानों पर आंसू गैस और रबर की गोलियां दाग रही है। बाजवा ने कहा कि करीब 130 पंजाबी किसान घायल हुए हैं लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान हरियाणा पुलिस के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने में बुरी तरह विफल रहे हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि आप के किसी भी नेता ने मनोहर लाल खट्टर सरकार द्वारा पंजाबी किसानों पर हमले की निंदा नहीं की है। इससे साबित होता है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ मिलकर काम कर रहे थे, जो पूरे कृषक समुदाय की पीठ में छुरा घोंपने जैसा है। उन्होंने कहा कि पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने मोहाली के डॉ. बी. आर. अंबेडकर स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज (एम्स), सीएचसी बानूर, सिविल अस्पताल राजपुरा और राजिंदरा अस्पताल पटियाला में घायलों से मुलाकात की, लेकिन वह यह सुनिश्चित करने में विफल रहे कि घायलों की मेडिको-लीगल रिपोर्ट (एमएलआर) तैयार की जाए। बाजवा ने कहा कि वह घायलों के पास केवल अपनी उपस्थिति महसूस कराने और इसका फायदा उठाने गए थे।

# 'गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर' स्थापित करने के लिए तुरंत रूप-रेखा तैयार करने के आदेश

## स्थानीय निकाय मंत्री ने सांस्कृतिक मामले मंत्री, लोक सभा मैंबर, उच्च अधिकारियों और डेरे के प्रबंधकों के साथ की मीटिंग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह ने जालंधर के डिप्टी कमिश्नर को "गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर" को स्थापित करने के लिए डेरे के प्रबंधकों के साथ मिलकर तुरंत रूप-रेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार द्वारा 25 करोड़ रुपए की राशि के साथ यह सैंटर स्थापित किया जा रहा है। स्थानीय निकाय मंत्री द्वारा आज यहाँ पंजाब भवन में "गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर" को स्थापित करने सम्बन्धी पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों संबंधी मंत्री अनमोल गगन मान और लोक सभा मैंबर सुशील कुमार रिंकू की हाजिऱी में अलग-अलग विभागों के

उच्च अधिकारियों और डेरे के प्रबंधकों के साथ मीटिंग की।

स्थानीय निकाय मंत्री बलकार सिंह ने कहा कि यदि इस कार्य के लिए और फंडों की ज़रूरत पड़ेगी तो वह भी राज्य सरकार द्वारा मुहैया करवाए जाएंगे। उन्होंने जालंधर के डिप्टी कमिश्नर को निर्देश दिए कि "गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर" के काम को विशेष प्राथमिकता देते हुए अपेक्षित जगहों की खोज की जाये और डेरे के प्रबंधकों के साथ मिलकर मुकम्मल रूप-रेखा जल्दी से जल्दी तैयार कर ली जाये। उन्होंने कहा कि इस काम की प्रगति सम्बन्धी जल्द ही आगे की मीटिंग बुलाई जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर के काम-काज में किसी तरह की भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मीटिंग में पंजाब पर्यटन और सभ्याचार मामलो के प्रशासनिक सचिव अमित ढाका, पंजाब पर्यटन और सभ्याचार मामले के डायरैक्टर नीरू कतियाल, सामाजिक सुरक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के डायरैक्टर शेना अग्रवाल, डिप्टी कमिश्नर जालंधर विशेस सारंगल, वित्त विभाग के डिप्टी सचिव, जसविन्दर सिंह और गुरू रविदास वाणी अध्ययन सैंटर डेरा सचखंड बल्लां के जनरल सचिव श्री सत पाल हीर, संयुक्त सचिव श्री जोगिन्दर पाल, आई.आर.एस. (रीटा.) ट्रस्टी श्री हरदेव राम और श्री परविन्दर कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# स्वदेश दर्शन प्रोग्राम : लोगो और टैगलाइन प्रतियोगिता कपूरथला की समृद्ध विरासत और इतिहास को प्रदर्शित करेगी

## उम्मीदवार 29 फरवरी तक भेज सकते हैं लोगो और टैगलाइन

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

जिला प्रशासन ने केंद्र सरकार के स्वदेश दर्शन प्रोग्राम के तहत कपूरथला की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक पिछोकर और पर्यटन को दर्शाने वाली लोगो और टैगलाइन प्रतियोगिता के लिए एंट्रीयां माँगी गई है जोकि 29 फरवरी, 2024 तक kapurthaareflection@gmail.com पर भेजी जा सकती हैं।

डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पांचाल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य कपूरथला के प्रतिष्ठित इतिहास और समृद्ध विरासत की प्रस्तुतियों के माध्यम से इस विरासत शहर की दृश्यता को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्वदेश दर्शन 2.0 प्रोग्राम के तहत उम्मीदवार तस्वीरों और मौखिक संदेशों के माध्यम से कपूरथला के बारे में एक अनूठी प्रस्तुति देंगे।

लोगो डिजाइन के लिए उम्मीदवारों को कपूरथला से संबंधित सांस्कृतिक सौंदर्यीकरण, समृद्ध धार्मिक विरासत और वास्तुकला के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करना होगा। इसी प्रकार टैगलाइन प्रतियोगिता में कपूरथला से संबंधित जानकारी को संक्षिप्त एवं सारगर्भित ढंग से हृदयस्पर्शी एवं आकर्षक शब्दों में प्रस्तुत करना होगा जिसमें यादगार एवं कपूरथला से संबंधित अनुभवों को शब्दों, कविता आदि के रूप में दर्शाया जाएगा।

# तीसरे टेस्ट का पहला दिन भी भारत के नाम

**राजकोट.** कप्तान रोहित शर्मा व रविंद्र जडेजा ने गुरुवार को शतक जड़कर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच का पहला दिन भी भारत के नाम कर दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने पांच विकेट पर 326 रन बनाए हैं। रोहित ने 131 व जडेजा (नाबाद 110) ने चौथे विकेट के लिए 204 रन की साझेदारी की।

उधर, अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे सरफराज खान ने 66 गेंद पर 62 रन की मनोरंजक पारी खेली। स्टंप उखड़ने के समय जडेजा के साथ नाइट वॉचमैन कुलदीप यादव एक रन पर खेल रहे थे। रोहित व जडेजा ने तब मोर्चा संभाला जब भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 33 रन पर अपने तीन युवा

बल्लेबाजों शुभमन गिल (00), यशस्वी जायसवाल (10) व रजत पाटीदार (05) के विकेट गंवा दिए थे। इंग्लैंड की ओर से तेज गेंदबाज मार्क वुड सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 69 रन देकर अब तक तीन विकेट लिए हैं। रोहित व जडेजा ने एकाग्रता और आक्रामकता का अच्छा नमूना पेश किया तथा ढीली गेंदों को सबक सिखाने में कोताही नहीं बरती।

वुड को हालांकि सुबह के सत्र में थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था लेकिन बाद में इस तेज गेंदबाज ने शॉर्ट पिच गेंदों से भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा ली। रोहित ने लेग स्पिनर रेहान अहमद की गेंद पर दो रन लेकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया जो सलामी बल्लेबाज के रूप में इंग्लैंड के खिलाफ उनका तीसरा शतक है। अपने घरेलू और पसंदीदा मैदान पर खेल रहे जडेजा ने शतक के करीब पहुंचने के बाद धीमी बल्लेबाजी की। जडेजा ने 198 गेंद का सामना कर अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक पूरा किया। इस ऑल राउंडर ने लेग साइड में रन बटोरे। अब तक जडेजा ने 212 गेंद का सामना करके नौ चौके और दो छक्के लगाए हैं।

सरफराज को देखकर किसी भी समय नहीं लगा कि वह अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हैं। उन्होंने चौकों की झड़ी लगाई और इस बीच बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टली की गेंद छक्के के लिए भेजी और केवल 48 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। जब लग रहा था कि सरफराज बड़ी पारी खेलने में सफल रहेंगे तब जडेजा के साथ गफलत के कारण उन्हें रन आउट होकर पवेलियन लौटना पड़ा। उन्होंने 66 गेंद की अपनी पारी में 9 चौके और एक छक्का लगाया।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.